BREAKING NEWS

CURRENT AFFAIRS

UPSC-CSE

01 OCTOBER 2024

Abhay Sir

Result Mitra

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार
Result Mitra

- चर्चा में क्यों :– 2025 में संयुक्त राष्ट्र अपनी 80वीं वर्षगाँठ मनाएगा इस उपलक्ष में G4 देश (भारत, ब्राज़ील, जर्मनी और जापान) ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में सुधार की अपनी मांग को फिर से दोहराया जिसका समर्थन L69 और C-10 समूह द्वारा किया गया।

क्या हैं G4, L69 और C-10 समूह :–

- G4 समूह: यह चार देशों का समूह है जिसमे ब्राज़ील, जर्मनी, भारत और जापान शामिल हैं

- ये सभी चारों देश UN KI स्थायी सदस्य बनने के लिए प्रबल दावेदार हैं।

स्थापना :– वर्ष 2004 में।

- समूह की विशेषता :– G4 देश UN में शामिल होने के लिए एक-दूसरे के प्रयासों का समर्थन करते हैं।

L69 समूह:

- समूह का नाम वर्ष 2007-08 में प्रस्तुत "L69" मसौदा दस्तावेज के नाम पर रखा गया

- इस समूह में लैटिन अमेरिका, कैरीबियाई,एशिया, अफ्रीका तथा प्रशांत क्षेत्र के देश शामिल है।

- इस समूह में भारत सहित कुल 42 विकासशील देश शामिल है।
- समूह का महत्व:– सुरक्षा परिषद की स्थायी एवं अस्थायी सदस्यता के विस्तार के लिए प्रयत्नशील।
- यह समूह प्रत्येक 15 वर्ष में स्थायी सदस्यता संरचना की समीक्षा पर बल देता है

C-10 समूह:

- यह अफ्रीकी संघ के दस राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों की समिति है जो 10 अफ्रीकी देश का प्रतिनिधत्व करती हैं।

उद्देश्य :–

- 1.अफ्रीका के प्रतिनिधित्व की इन में वकालत करना
- 2. अफ्रीका की स्थिति को उन्नत करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार का अनुरोध करना

- अफ्रीकी संघ, संयुक्त राष्ट्र में व्यापक सुधार चाहता है जैसे की अफ्रीका को वीटो शक्ति के साथ 2 स्थायी सीटें और 5 गैर-स्थायी सीटें प्राप्त हो।

- इसी प्रयास के लिए अफ्रीकी संघ द्वारा 2005 में एज़ुल्विनी सर्वसम्मति को अपनाया गया।

- इसी प्रकार से सिरते घोषणा (1999) का आशय अफ्रीकी संघ की स्थापना और अफ्रीकी महाद्वीप में शांति तथा सुरक्षा संबंधी मुद्दों से है।

कॉफी क्लब :–

- ये ऐसे देशों का समूह है जो जी4 का विरोध करते हैं
- ये देश स्थायी सदस्यता में विस्तार का यूएफसी (Uniting for Consensus-UFC) देश विरोध करते हैं।
- इस समूह में 13 देश शामिल हैं जिसमे मुख्य इस प्रकार है इटली, पाकिस्तान, मैक्सिको, मिस्र, स्पेन, अर्जेंटीना और दक्षिण कोरिया। इन्हें 'कॉफ़ी क्लब' कहा जाता है।

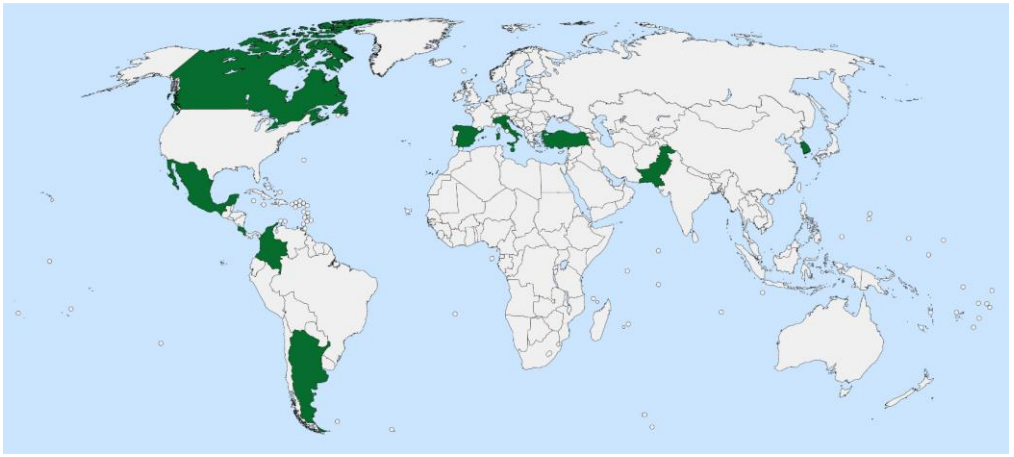

- कॉफ़ी क्लब के देश स्थायी सदस्यता के विस्तार के पक्षधर न होकर अस्थायी सदस्यता के विस्तार के समर्थक हैं।

- इन देशों की आशंका सामूहिक न होकर व्यक्तिगत हितों पर कहीं अधिक टिकी है।

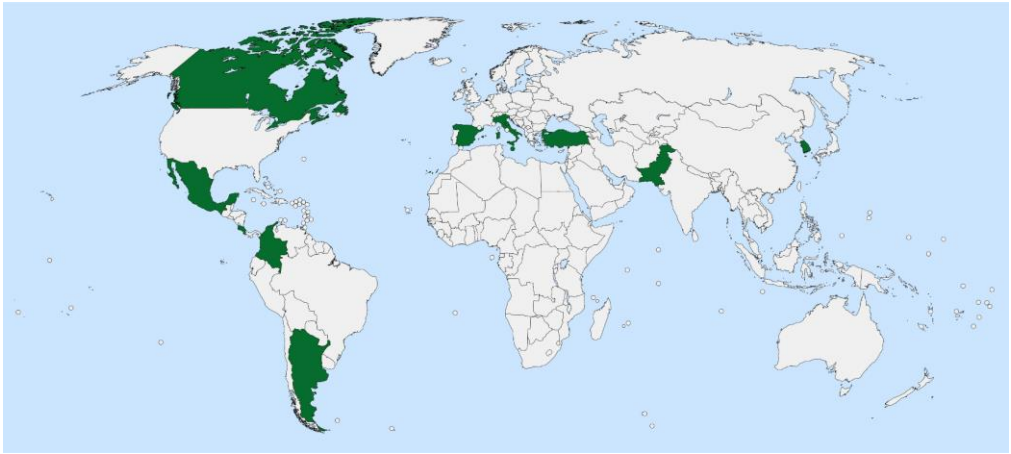

प्रश्न. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 5 स्थायी सदस्य होते हैं और शेष 10 सदस्य महासभा द्वारा कितनी अवधि के लिये चुने जाते हैं? (2009)

A. 1 वर्ष
B. 2 वर्ष
C. 3 वर्ष
D. 5 वर्ष

हिजबुल्लाह के बाद हूती और हमास पर हमले।

- चर्चा में क्यों :– इजरायल अब लेबनान सीमा पर इजरायली रिजर्व ब्रिगेड की तैनाती शुरू कर रहा है अनुमान है की बह लेबनान में सैनिक कार्यवाही करने जा रहा है।

- इजरायली हमलों में लेबनान में 1030 लोग मारे गए हैं।

- इनमें ईरान समर्थित सशस्त्र संगठन हिजबुल्ला के नेता और कमांडर शामिल हैं।

- इसके अतिरिक्त इजरायली हमलों से बचने के लिए लाखों लोग विस्थापित हुए हैं।

- लेबनान के प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने जल्द ही यह संख्या बढ़कर 10 लाख होने की आशंका जताई है।

हिज्बुल्लाह :

- शाब्दिक अर्थ 'अल्लाह/ईश्वर की पार्टी'
- 1980 के दशक की शुरूआत में स्थापित एक शिया उग्रवादी संगठन
- इसकी स्थापना लेबनान में 1982 में हुए सिविल वॉर के दौरान हुई थी।

- स्थापना ईरान के 1500 रिवोल्यूशनरी गार्ड द्वारा की गई थी।
- स्थापना का मुख्य मकसद तात्कालिक समय में इजरायल के विरूद्ध लडना था।
- लेबनानी गृहयुद्ध के दौरान हिज्बुल्लाह ने अपने घोषणापत्र में लेबनान से अमेरिकियों, फ्रांसिसियों एवं उनके सहयोगियों को सदा के लिए निष्कासित करना मुख्य लक्ष्य बताया गया था।
- हित्बुल्लाह इस गठबंधन का सबसे बडा और सबसे शक्तिशाली समूह है।

- कथित रूप से हिज्बुल्लाह के पास अत्याधुनिक हथियारों से लैस शस्त्राधार है तथा वर्तमान में लडाकों की संख्या 30,000 से 45,000 है।
- 1985-2000 के बीच हिज्बुल्लाह इजरायल से कई बार जंग लड चुकी है।
- 2000 में हिज्बुल्लाह लेबनान युद्ध में भी इजरायल के विरूद्ध लडा।
- 1990 के दशक में बोस्नियाई युद्ध के दौरान भी हिज्बुल्लाह ने बोस्नि एवं हर्जेगोबिना गणराज्य की तरफ से लडने के लिए लडाकों को संगठित किया था।

- हिज्बुल्लाह लेबनान की एक राजनीतिक पार्टी भी है।
- यूरोपीय संघ के साथ-साथ अन्य कई देशों ने इसे आतंकवादी संगठन माना है।
- इसे ईरान के साथ-साथ सीरिया का भी समर्थन प्राप्त है।
- इस संगठन को सैन्य प्रशिक्षण, हथियार आपूर्ति एवं वित्तीय मदद मुख्यतः ईरान द्वारा की जाती हैं
- 7 अक्टूबर के बाद से इजरायल-हमास युद्ध में लेबनान पूर्णतः सक्रिय है

हूती :

- इसकी स्थापना की जडे हूती आंदोलन से जुडी हुई है।
- आंदोलन का नेतृत्व हुसैन-अल-हूती एवं बद-उल-दीन-हूती के द्वारा 1990 के दशक में किया गया था, जो वास्तव में जायदी पुनरूत्थानवादी आंदोलन था।
- यमन सरकार ने हूती विद्रोहियों के प्रति कठोर दमनात्मक कार्यवाही की, लेकिन 2010 तक सरकारी सैनिकों की मदद से हूती विद्रोहियों ने यमन के सना शहर पर कब्जा कर लिया।
- वर्ष 2014 से हूतियों का नियंत्रण यमन की राजधानी सना के साथ-साथ अन्य प्रमुख शहरों पर भी है।

हमास :

- फिलीस्तान का एक राजनीतिक-सैन्य समूह है, जिसकी स्थापना 1987 में हुई थी।
- इसकी स्थापना भी मुख्यतः इजरायल के बढते वर्चस्व एवं क्षेत्र में कथित तौर पर अवैध कब्जे को खत्म करने के उद्देश्य से हुआ था।
- इसका गठन मिस्त्र के मुस्लिम ब्रदरहुड की एक शाखा के रूप में हिंसक जिहाद के द्वारा अपने एजेंडो को पूरा करने के लिए किया गया था।
- यह सुन्नी मुसलमानों की सशस्त्र संस्था है, जिसका अंतिम उद्देश्य फिलीस्तीनी क्षेत्र में इजरायल के शासन के बजाय इस्लामिक सत्ता स्थापित करना है।

- यह संगठन गाजा पट्टी क्षेत्र में सर्वाधिक शक्तिशाली है, क्यांकि यह मिस्त्र के सीमा-पास स्थित है, जो उसे सैन्य, वित्तीय, प्रशिक्षण आदि प्रदान करता है। इसके अलावा ईरान भी इसे समर्थन देता है।

- हमास फिलीस्तीन-इजराय संघर्ष के खात्मे के लिए अन्य किसी भी विकल्प का पूर्ण विरोधी है।

- UN ने 1997 में इसे आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया था, साथ ही यूरोप के अधिकाधिक देशों ने इसे आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है।

- हमास Zionism (जायोनीवाद) का कट्टर विरोधी है।

Capital City
Regional Capital City
Significant City
Important City
WEST BANK-GAZA
Main Palestinian Arab towns located in the West Bank & Gaza
Main Jewish Settlements in the West Bank
Attraction - Landmark
River
Highest Point
Lebanon
GOLAN HEIGHTS
(Israeli occupied)
Syria
Jordan
Mediterranean Sea
Syrian Desert
Saudi Arabia
Egypt
(Sinai Peninsula)
Israel
WEST BANK
GAZA STRIP
Nahariyya
Akko
Halfa
Zefat
Na'ran
Lake Tiberias
(Sea of Galilee)
Nazareth
Afiq
Afula
Hadera
Netanya
Janin
Jordan River
Tulkarm
Tubas
Qalqilya
Elon More
Nabulus
Ramat Gan
Petah Tikva
Ariel
Tel Aviv
Holon
Bat Yam
Elkana
Al Birah
Shilo
Jericho
Amman
Ramallah
Beit Horon
Ashdod
Jerusalem
Maale Adumim
Ashqelon
Efrata
Bethlehem
Halhul
Tkoa
Gaza City
Hebron
Dead Sea
Khan Yunis
Masada
Beersheba
Dimona
N
30 mi
30 km
Mitzpe Ramon
Ramon Crater
THE NEGEV
(Wilderness)
Elat
Gulf of Aqaba

34° 30'
35°
35° 30'
36°
36° 30'
0 20 40 mi
0 30 60 km
MEDITERRANEAN SEA
AKKAR
Halba
Qoubaiyat
Abdeh
El Mina
Tripoli
Zgharta
NORTH (SHIMĀL)
Hermel
Chekaa
Ehden
Amioun
Batroun
Bsharri
Ghouma
Laboueh
Jbeil
Qartaba
BAALBEK-HERMEL
KESERWAN-JBEIL
Ghazir
Baalbek
Jounieh
LEBANON
Hemlaya
BEIRUT
Beirut
Baabda
Zahle
Khalde
Bhamdoun
MOUNT LEBANON
BEKAA
Damour
SYRIA
Ghazze
Baakleen
Shheem
Joub Jannine
Sidon
Jezzine
Rashaya
Jbaa
Sarafand
Hasbaya
Nabatieh
Marjayoun
SOUTH (JANŪB)
NABATIEH
UN Forces Deployment Area
Tyre
Jwaya
GOLAN HEIGHTS (Israeli-occupied)
Naqoura
Bint Jbeil
ISRAEL

Result Mitra

प्रश्न. हाल ही में निम्नलिखित में से किन देशों में लाखों लोग या तो भयंकर अकाल एवं कुपोषण से प्रभावित हुए या उनकी युद्ध/संजातीय संघर्ष के चलते उत्पन्न भुखमरी के कारण मृत्यु हुई? (2018)

A. अंगोला और ज़ाम्बिया
B. मोरक्को और ट्यूनीशिया
C. वेनेज़ुएला और कोलंबिया
D. यमन और दक्षिण सूडान

Result Mitra

The Indian EXPRESS

EXPLAINED

Expert Explains: Why anti-India business sentiment is growing in China

Increasingly, public sentiment seems to be rising in China against doing business with India. Why has this happened, and what are sections of the Chinese public saying?

Written By Hemant Adlakha
New Delhi | 2 hours ago

Listen to Article

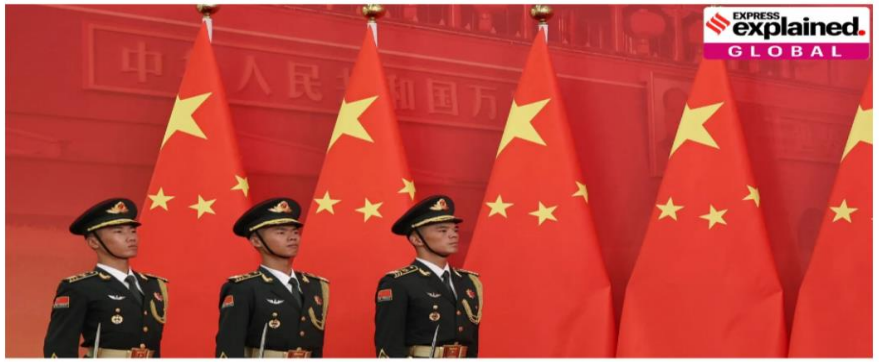

PAKISTANI-ADMINISTERED KASHMIR
CHINESE-ADMINISTERED KASHMIR
INDIAN-ADMINISTERED KASHMIR
CHINA
WESTERN SECTOR
EASTERN SECTOR
PAKISTAN
CENTRAL SECTOR
NEPAL
ARUNACHAL PRADESH
BHUTAN
INDIA
BANGLADESH

Image Source :- The Time Of India

CHINA
NEPAL
BHUTAN
BANGLADESH
INDIA
MYANMAR
Bay of Bengal
Mouths of the Ganges
Yarlung Zangbo (Tsangpo)
Lhasa
New Delhi
Jaipur
Agra
Yamuna
Ganges
Lucknow
Kathmandu
Ghaghara
Gandak
Kosi
Gomti
Kanpur
Chambal
Banas
Betwa
Allahabad
Tamsa
Varanasi
Patna
Son
Damodar
Farakka
Hooghly
Kolkata
Padma
Jamuna
Dhaka
Meghna
Teesta
Subansiri
Brahmaputra
Lohit
Guwahati
Surma
Barak
Indore
Bhopal

- चर्चा में क्यों :– विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हाल ही में कहा था कि चीन के साथ भारत के आर्थिक संबंध बहुत असंतुलित हैं क्योंकि वहां के बाजारों में हमारी पहुंच समान नहीं है जबकि भारत में उनकी बाजार पहुंच काफी बेहतर है।

- भारतीय बाजार जहां चीन के लिए एक बड़ा मार्केट हैं वहीं चीन के बाज़ारों के केस में मामला एकदम उलट है।

- चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़ रहा है।

- वित्त वर्ष 2024 में चीनी आयात 100 बिलियन डॉलर को पार कर गया, तो बही भारत का निर्यात पिछले वित्तीय वर्ष में मुश्किल से 16 बिलियन डॉलर को पार कर पाया।

- चीन में भारत के साथ व्यापार करने के ख़िलाफ़ जनभावना बढ़ती दिख रही है।

- यह जनभावना दोनों देशों के बीच सीमा विवाद एक समस्या है।

- भारत-चीन सीमा विवाद है समस्या

- आमतौर पर चीनी धारणा यह है कि भारत ने सीमा विवाद पर QUAD में शामिल होकर पश्चिम के समर्थन से चीन को घेर लिया है। अधिकांश चीनी लोग भारत को अमेरिका के बहुत करीब आते देखना पसंद नहीं करते हैं।

- उनका मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल में भारत रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका और ग्लोबल साउथ सहित दुनिया के प्रमुख देशों के बीच संतुलन बनाए रख सकता है।

- चीन में, लोकप्रिय डिजिटल समाचार दैनिक guancha.cn ने Ning Nanshan द्वारा भारत को औद्योगिक क्षमता का निर्यात न करें शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया। लेख में दावा किया गया है कि पिछले तीन-चार सालों में, भारत सरकार भारत में काम करने वाली कई चीनी कंपनियों को परेशान कर रही है, जिनमें Xiaomi, OPPO, Vivo शामिल हैं।

- इसमें भारत में टिकटॉक की तरह चीनी ऐप्स और व्यवसायों पर प्रतिबंध का भी उल्लेख किया गया है।

- चीन की जीडीपी भारत की तुलना में पाँच गुना अधिक है

भारत-चीन संबंध

- 75 वर्षों से संघर्ष और सहयोग के संबंध।

हाल में गंभीर घटनाएँ –

- 1.वर्ष 2020 में लद्दाख की गलवान घाटी में
- 2. वर्ष 2022 में अरुणाचल प्रदेश के तवांग में।

- सीमा—वास्तविक नियंत्रण रेखा (Line of Actual Control- LAC)
- विवाद क्यों :– स्पष्ट सीमांकन का अभाव:
- भारत और चीन के बीच की सीमा अपने पूरे भाग में स्पष्ट रूप से सीमांकित नहीं है
- कुछ हिस्सों में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर कोई पारस्परिक सहमति नहीं।
- 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद LAC अस्तित्व में आया

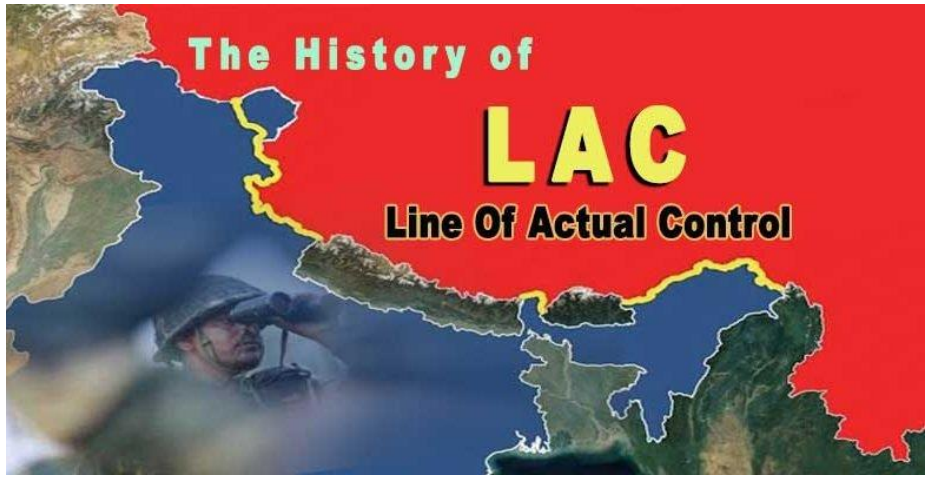

Result Mitra

तीन सेक्टरों/क्षेत्रों में बाँटा गया है भारत-चीन सीमा को :–

- ❑ पश्चिमी क्षेत्र: लद्दाख
- ❑ मध्य क्षेत्र: हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड
- ❑ पूर्वी क्षेत्र: अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम
- ❑ चीन और भारत महत्त्वपूर्ण व्यापारिक भागीदार हैं
- ❑ दोनों देशों के मध्य द्विपक्षीय व्यापार वर्ष 2022 में 135.984 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया।

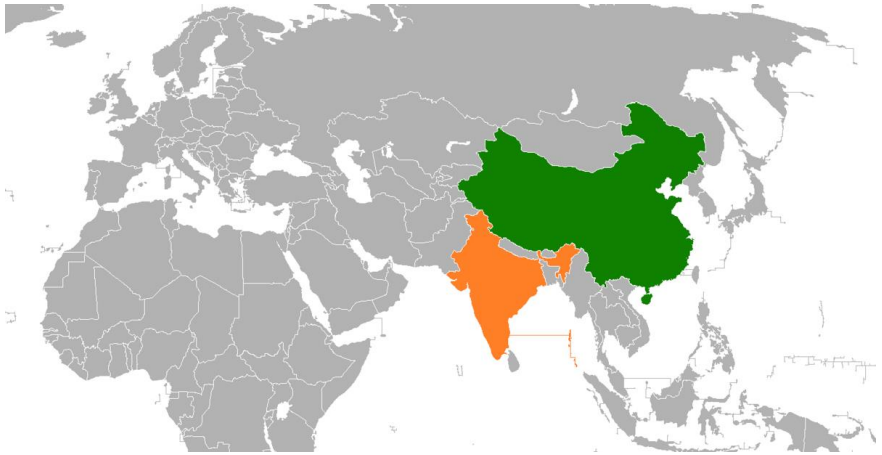

प्रश्न. भारत द्वारा चाबहार बंदरगाह विकसित करने का क्या महत्त्व है?(2017)

A. अफ्रीकी देशों से भारत के व्यापार में अपार वृद्धि होगी।
B. तेल-उत्पादक अरब देशों से भारत के संबंध सुदृढ़ होंगे।
C. अफगानिस्तान और मध्य एशिया में पहुँच के लिये भारत को पाकिस्तान पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा।
D. पाकिस्तान, इराक और भारत के बीच गैस पाइपलाइन का संस्थापन सुकर बनाएगा और उसकी सुरक्षा करेगा।

सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (AFSPA) में छह माह की वृद्धि।

- चर्चा में क्यों :– हाल ही में नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में अगले छह माह के लिए AFSPA में वृद्धि की गई है

- किसने की वृद्धि:– केंद्रीय गृह मंत्रालय ने

- क्यों की गई वृद्धि :– क्योंकि इन क्षेत्रों को अफस्पा कानून की धारा 3 के तहत 'अशांत क्षेत्र' घोषित किया गया है।